53 औद्योगिक इकाइयों में शुरू हुआ उत्पादन

2024 में राजधानी में आए थे 307 प्रस्ताव, 254 इकाइयों में से 80% का भूमि पूजन

रोली खन्ना

लखनऊ। राजधानी में औद्योगिक विकास तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2024 में आए 307 प्रस्तावों में से 53 इकाइयां महज सात महीने में ही उत्पादन शुरू कर चुकी हैं। बाकी 254 प्रस्तावों में भी 80 फीसदी इकाइयों का भूमि पूजन हो चुका है। इनका निर्माण कार्य प्रगति पर है। उद्योग विभाग के अधिकारियों के मुताबिक साल के अंत तक इन इकाइयों में उत्पादन शुरू होने के आसार हैं।

जिन इकाइयों में उत्पादन शुरू हुआ है, उनमें से हर एक में रोजगार प्राप्त करने वालों की संख्या का औसत 70 से 100 है। इनसे सीधे तौर पर लगभग 4000 लोगों को रोजगार मिल चुका है। साल के अंत तक यदि 200 और इकाइयों में काम शुरू हुआ तो एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

उद्योग विभाग के अफसरों के मुताबिक, इनमें से कुछ इकाइयां जैसे क्यूलाइन बायोटेक कंपनी 1000 के करीब लोगों को रोजगार देगी। एक निजी बैंक 2000 लोगों को रोजगार देने का दावा कर चुका है। इनमें अशोक लीलैंड भी शामिल है, जो जल्द काम शुरू करेगी।

मयंक अपने स्थानीय और विदेशी टीम लीडर के साथ। -संवाद

खास खबर

04

हजार लोगों को मिला रोजगार

एमएसएमई में दिखाई सबसे ज्यादा रुचि

- शुरू हुए प्रोजेक्टों की संख्या बता रही है कि लोगों ने सबसे ज्यादा रुचि माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (एमएसएमई) में दिखाई। 356 करोड़ के निवेश वाली 18 इकाइयों में उत्पादन हो रहा है। वहीं, तकनीकी शिक्षा से जुड़े 38 करोड़ के 11 प्रस्ताव जमीन पर उतर चुके हैं। मेडिकल एजुकेशन, हाउसिंग, नगरीय विकास, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोत से जुड़ी इकाइयां भी सक्रिय हो चुकी हैं।

बंथरा में शुरू हुआ बायोडीजल का प्लांट

- बंथरा में 24 हजार लीटर बायोडीजल प्रतिदिन उत्पादन की क्षमता वाला प्लांट शुरू हुआ है। मेटाफ्यूजन के नाम से यह प्लांट शुरू करने वाले अंश शुक्ला कहते हैं कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में आने के बाद सब्सिडी व योजनाओं का पता चला और इनका लाभ भी मिला। सैंपलिंग का काम हो चुका है। इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम को सप्लाई जल्द शुरू करने की प्रक्रिया जारी है।

30 लोगों का पायलट प्रोजेक्ट 100 की टीम में बदला

- आईटी कंसल्टेंसी की सेवा से जुड़े मयंक ने मुंबई के बाद लखनऊ में एड्रोसोनिक कंपनी खोली है। वह बताते हैं कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हुए स्वागत ने उत्साह से भर दिया। हम मुंबई में रहकर देश-दुनिया के क्लाइंट का काम कर रहे थे। काम को विस्तार देना था तो लगा कि 30 लोगों के साथ लखनऊ से शुरुआत करते हैं। छह से सात महीने में हमारी टीम ने जो फीडबैक दिया, उसने 100 लोगों की टीम और लगभग 30 करोड़ रुपये के निवेश के लिए प्रेरित किया। अब यूके, यूएसए और लैटिन अमेरिका के लोग देख रहे कि लखनऊ से उन्हें आईटी सर्विस मिल रही है।

“ उद्यमियों को दी जा रहीं सभी सुविधाएं

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में आने वाले अधिकतर प्रस्तावों पर काम शुरू हो चुका है। 53 इकाइयां तो महज सात महीने में उत्पादन शुरू कर चुकी हैं। बाकी काम भी धीरे-धीरे तेजी पकड़ रहा है। अन्य इकाइयों में भूमि पूजन के बाद कहीं भवन निर्माण तो कहीं खोदाई व मशीनों को मंगवाने-लगवाने की प्रक्रिया जारी है। उद्यमियों को सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। **-मनोज कुमार चौरसिया,** उपायुक्त उद्योग